30 दिसंबर 2025 को भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी), जोधपुर में "हथकरघा और खादी क्षेत्र में मानकीकरण पर जागरूकता संगोष्ठी - भारत की स्वतंत्रता और विरासत का एक जीवंत प्रतीक"।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) जोधपुर के सहयोग से 30 दिसंबर 2025 को आईआईएचटी जोधपुर में **"हथकरघा और खादी क्षेत्र में मानकीकरण पर जागरूकता संगोष्ठी - भारत की स्वतंत्रता और विरासत का एक जीवंत प्रतीक"** विषय पर एक जागरूकता संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत **आईआईएचटी जोधपुर** के **निदेशक और टीएक्सडी 08 के सदस्य डॉ. शिवगणनम केजे** के स्वागत भाषण के साथ हुई। कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि** के रूप में **डब्ल्यूएससी दिल्ली** के **क्षेत्रीय निदेशक और टीएक्सडी 08** के **अध्यक्ष श्री विशेष नौटियाल** की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने उद्घाटन भाषण में, उन्होंने देश भर में हजारों हाथ से कताई करने वालों और बुनकरों की आजीविका का समर्थन करने वाले हथकरघा और खादी उत्पादों की विश्वसनीयता, बाजार स्वीकृति और स्थिरता को मजबूत करने में बीआईएस मानकों, गुणवत्ता बेंचमार्क और प्रमाणन के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया।

सामान्य सत्र में, **श्री स्वप्निल, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक, वस्त्रादि विभाग** द्वारा **'भारतीय मानक ब्यूरो का परिचय और गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका'** पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। प्रतिभागियों को बीआईएस के बारे में निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया:-

- बीआईएस गतिविधि का अवलोकन
- गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र कैसे सुनिश्चित किया जाता है
- मानकीकरण कार्य में भागीदारी के मानक और महत्व
- मानक विकास के लिए संरचना
- मानक तैयार करने की प्रक्रिया और मानकों के प्रकार
- वस्त्र प्रभाग परिषद द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन
- मानकीकरण गतिविधि के डिजिटलीकरण के लिए बीआईएस द्वारा की गई नई पहल, नए प्रस्ताव और मानक पोर्टल, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, आईएसओ/आईईसी में भागीदारी के माध्यम से मसौदा दस्तावेजों पर टिप्पणी।

तकनीकी सत्र में, **श्री स्वप्निल, वैज्ञानिक-सी/उप निदेशक, वस्त्रादि विभाग** द्वारा **'हथकरघा और खादी क्षेत्र में मानकीकरण'** पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। प्रस्तुति में, उन्होंने प्रतिभागियों को हथकरघा और खादी उत्पादों पर समिति टीएक्सडी 08 द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों की मुख्य विशेषताओं, प्रदर्शन की आवश्यकता और परीक्षण विधि से अवगत कराया: -

1) हथकरघा सूती दरी (आई एस 1450 : 2023)
2) यूनिफॉर्म के लिए हथकरघा पॉलिएस्टर-विस्कोस/कॉटन ब्लेंडेड बुने हुए सूटिंग्स (आई एस 16673 : 2023)

3) हथकरघा सूती मलमल (आई एस 755 : 2023)
4) हथकरघा सूती मिश्रित साड़ियाँ (आई एस 8039 : 2023)
5) स्कूल यूनिफॉर्म के लिए हथकरघा सूती कपड़ा (आई एस 8797 : 1978)
6) हथकरघा सूती चादरें (आई एस 745 : 2021)
7) खादी पॉलीवस्त्र चादरें (आईएस 17388 : 2020)
8) सूती खादी तकिया कवर (आईएस 17906 : 2022)
9) भारत का राष्ट्रीय ध्वज (सूती खादी) (आईएस 1 : 1968)
10) सूती खादी हनीकॉम्ब और हकअबक तौलिए, (आईएस 3781 : 2019)
11) सूती खादी डस्टर (आईएस 3777 : 2019)
12) खादी धागा (आईएस 19263 : 2025)

इसके अलावा, उन्होंने प्रतिभागियों को मशीन-निर्मित पॉलिएस्टर भारत के राष्ट्रीय ध्वज से संबंधित एक महत्वपूर्ण भारतीय मानक के बारे में अवगत कराया, जो वर्तमान में विकासाधीन है।

श्री महेश कुमार, प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, एमजीआईआरआई वर्धा ने 'चरखा कताई में उत्पाद विकास और गुणवत्ता नियंत्रण' पर प्रस्तुति दी और चरखा कताई पर सभा को संबोधित किया, तथा इसकी तकनीकी प्रासंगिकता, पारंपरिक मूल्य और खादी उत्पादन में गुणवत्ता स्थिरता के साथ जुड़ाव पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में निफ्ट जोधपुर और एफडीडीआई जोधपुर के संकाय और कर्मचारियों के साथ-साथ आईआईएचटी जोधपुर के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिससे यह वास्तव में सहयोगी और समृद्ध शिक्षण मंच बन गया। इसके अलावा, उद्योगों, परीक्षण प्रयोगशालाओं, उपभोक्ता समूहों और अंतिम उपयोगकर्ताओं के प्रतिनिधियों ने प्रमुख हितधारकों के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
संगोष्ठी एक परस्पर संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र के साथ संपन्न हुई, जिसके दौरान प्रतिभागियों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का समाधान किया गया, इसके बाद **श्री विक्रम सिंह, वरिष्ठ व्याख्याता वस्त्रादि, आईआईएचटी जोधपुर** द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

AWARENESS SEMINAR ON "STANDARDIZATION IN HANDLOOM AND KHADI SECTOR - A LIVING SYMBOL OF INDIA'S FREEDOM AND HERITAGE" ON 30 DECEMBER 2025 AT INDIAN INSTITUTE OF HANDLOOM TECHNOLOGY (IIHT), JODHPUR.

Bureau of Indian Standards (BIS) in association with Indian Institute of Handloom Technology (IIHT) Jodhpur successfully organized an Awareness Seminar on "Standardization in Handloom and Khadi Sector - A Living Symbol of India's Freedom and Heritage" at IIHT Jodhpur on 30 December 2025.

The programme commenced with a **welcome address** by the **Dr. Sivagnanam KJ, Director, IIHT Jodhpur and member of TXD 08**. The programme was graced by the **Shri Vishesh Nautiyal, Zonal Director, WSC Delhi and the Chairperson, TXD 08** as the Chief Guest. In his **Inaugural Address**, he emphasized the critical importance of BIS standards, quality benchmarks, and certification in strengthening the credibility, market acceptance, and sustainability of Handloom and Khadi products that support the livelihoods of thousands of hand spinners and weavers across the country.

In general session, a detailed presentation on **'Introduction to BIS and its role in ensuring quality ecosystem'** was delivered by **Shri Swapnil, Scientist-C/Deputy Director, Textiles**. The participants were apprised of the following important aspects about BIS: −

- An overview of BIS Activity
- How the quality ecosystem is ensured
- Standards & importance of participation in standardization work
- Structure for Standards Development
- Process of standard formulation and types of standards
- Overview of work carried out by Textiles Division Council
- New initiatives taken by BIS for Digitization of Standardization Activity, new proposal and commenting on draft documents through Standards Portal, R & D projects, Participation at ISO/IEC.

In technical session, detailed presentation on **'Standardization in Handloom and Khadi sector'** was delivered by **Shri Swapnil, Scientist-C/Deputy Director, Textiles**. In the presentation, he apprised the participants about the salient features, performance requirement and test method of the following important Indian standards published by the committee TXD 08 on Handloom and Khadi products: -

1. HANDLOOM COTTON DURRIES (IS 1450 : 2023)
2. HANDLOOM POLYESTER-VISCOSE/COTTON BLENDED WOVEN SUITINGS FOR UNIFORMS (IS 16673 : 2023)
3. HANDLOOM COTTON MALMAL (IS 755 : 2023)
4. HANDLOOM COTTON MIX SARIS (IS 8039 : 2023)
5. HANDLOOM COTTON FABRIC FOR SCHOOL UNIFORMS (IS 8797 : 1978)
6. HANDLOOM COTTON BED SHEETS (IS 745 : 2021)
7. POLYVASTRA BEDSHEETS, KHADI (IS 17388 : 2020)
8. COTTON KHADI PILLOW COVER (IS 17906 : 2022)
9. THE NATIONAL FLAG OF INDIA (COTTON KHADI) (IS 1 : 1968)
10. HONEYCOMB AND HUCKABACK TOWELS, COTTON KHADI (IS 3781 : 2019)

11. COTTON KHADI DUSTERS (IS 3777 : 2019)
12. KHADI YARN (IS 19263 : 2025)

Further, he apprised the participants about an **important Indian Standard currently under development**, pertaining to the **machine-made polyester National Flag of India**.

Shri Mahesh Kumar, Principal Scientific Officer, MGIRI Wardha delivered the presentation on **'Product Development and Quality Control in Charkha Spinning'** and addressed the gathering on Charkha Spinning, highlighting its technical relevance, traditional value, and linkage with quality consistency in Khadi production.

The seminar witnessed active participation from faculty and staff of NIFT Jodhpur and FDDI Jodhpur, along with IIHT Jodhpur faculty, staff, and students, making it a truly collaborative and enriching learning platform. In addition, representatives from industries, testing laboratories, consumer groups, and end users participated as key stakeholders. The event was attended by approximately 100 participants.

The seminar concluded with an interactive question-and-answer session, during which all queries raised by the participants were addressed, followed by the **Vote of Thanks** by **Shri Vikram Singh, Sr. Lecturer Textiles, IIHT Jodhpur**.

Indian Institute of Handloom Technology

IMPORTANT STANDARDs BROUGHT
OUT BY TXD 08 on handloom products

IS 755 HANDLOOM COTTON MALMAL

भारत सरकार वस्त्र मंत्रालय
भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
INDIAN INSTITUTE OF HANDLOOM TECHNOLOGY
प्रशासनिक भवन